केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

हिन्दी

पखवाड़ा

ई-पत्रिका

भुवनेश्वर संभाग

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

मुख्य संरक्षक

श्री एस. के. चोपदार, उपायुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन भुवनेश्वर संभाग

संरक्षक

श्री टी. पुन्ना राव , सहायक आयुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन भुवनेश्वर संभाग

उप संरक्षक

अनंत नारायण मेहेर, प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

संकलन एवं संपादन समिति

श्री पुरुषोत्तम साहू

स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी

श्री रोहित चौरसिया

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिंदी

श्रीमती दीपिका

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका संस्कृत

श्री बिनोद कुमार गुप्ता

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक कला

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

हिन्दी पखवाड़ा

का ऑनलाइन (वर्चुअल) आयोजन

14 सितंबर - 28 सितंबर

विजेताओं को प्रमाण-पत्र मिलेंगे

करो हिन्दी का मान,
तभी बढ़ेगी देश की शान

आयोजन कर्ता-
श्री पुरुषोत्तम साहू
श्री रोहित चौरसिया
श्री समीर कुमार कलस
श्री विवेक कुमार

14 सितंबर
हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ

प्राचार्य
श्री ए.एन.मेहेर

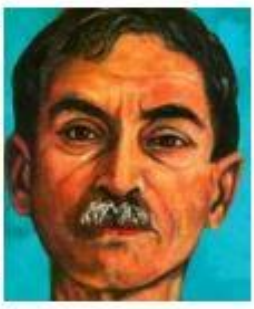

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

प्राचार्य की कलम से.....

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा हिन्दी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में राजभाषा पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है। यह निर्विवाद सत्य है कि पत्र-पत्रिकाएं मानव मन-मस्तिष्क में प्रस्फुटित विचारों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम ही नहीं बल्कि किसी भाषा के प्रचार-प्रसार का उत्कृष्ट मंच भी हैं। जिसका उचित प्रयोग करते हुए हमारा हिंदी विभाग प्रचार-प्रसार में प्रयासरत है।

आज हिंदी विश्व की सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली जन भाषा में अग्रणी है जो इसकी स्वयं सिद्ध स्वीकार्यता और व्यापक विस्तार का सूचक है। 21वीं सदी में वैश्विक क्षितिज पर हिंदी ने तेजी से पाँव पसारे हैं। मैं समझता हूँ कि बोधगम्य और सरल शैली में प्रकाशित यह राजभाषा पत्रिका अपना उत्कृष्ट योगदान देते हुए राजभाषा की गरिमा बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

मैं हिंदी विभाग द्वारा किए जा रहे पत्रिका प्रकाशन के पुनीत कार्य की सराहना करता हूँ और इस पत्रिका के प्रकाशन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साधुवाद और शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

अनंत नारायण मेहेर

प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

संपादक की कलम से....

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

यह सर्वविदित है कि भारतेंदु हरिश्चंद्र जी का यह विचार निज भाषा की महिमा व उपयोगिता को बहुत ही मार्मिक तरीके से व्यक्त करता है। इसी संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी किसी उज्ज्वल राष्ट्र की राजभाषा /राष्ट्रभाषा के लिए जो कसौटी निर्धारित की है, हिंदी भाषा उन सभी मानकों पर खरी उतरती है और राष्ट्रभाषा की अधिकारणी बनती है।

हमारी हिंदी भाषा साहित्य- समृद्धि के मायने में बेजोड़ है इसका साहित्य विविधताओं से भरा है। यह हर क्षेत्रीय भाषा के साथ मिलकर एक नया स्वरूप ग्रहण कर लेती है और विविधता में एकता का संदेश देती है। वर्तमान समय में तकनीकी संसाधनों के सहारे यह और अधिक सरल व व्यापक होती जा रही है ऐसे में हम सबका दायित्व है कि राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग व प्रचार-प्रसार कर इसे अप्रतिम गौरव प्रदान करें।

सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मियों को साधुवाद जिनके विचार पुष्पों से यह लघु ग्रंथ-माला निर्मित हो सकी। संपादक मंडल के सभी सदस्यों को साधुवाद जिनके अथक प्रयासों से यह पत्रिका मूर्त रूप ग्रहण कर सकी।

पुरुषोत्तम साहू
हिंदी विभागाध्यक्ष

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

विद्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति

दिनांक 31/06/2020

दिनांक 31/06/2020 को प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों पर विचार विमर्श किया गया । विद्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सुचारू संचालन के लिए समिति के पुनर्गठन पर विचार विमर्श किया गया । तदनुरूप समिति का गठन इस प्रकार है-

अध्यक्ष	- श्री अनंत नारायण मेहर, प्राचार्य
संयोजक	- श्री पुरुषोत्तम साहू , स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी
सहसंयोजक	- श्री रोहित चौरसिया , प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिंदी
सचिव	- श्री मोहित तिवारी , कनिष्ठ सचिवालय सहायक
सदस्य	- श्रीमती दीपिका, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका संस्कृत
सदस्य	- श्रीमती अनिंदिता चटर्जी, स्नातकोत्तर शिक्षिका अंग्रेजी
सदस्य	- श्री रजनीश रंजन, पुस्तकालय अध्यक्ष
सदस्य	- श्री समीर कुमार कलस , प्राथमिक शिक्षक
सदस्य	- श्री विवेक कुमार, प्राथमिक शिक्षक

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

सूचना

हिंदी पखवाड़ा 14 सितंबर से 28 सितंबर 2020

बड़े उत्साह के साथ आप सबको सूचित किया जा रहा है कि आदरणीय प्राचार्य महोदय के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। कोविड-19 महामारी के कारण इस वर्ष हिंदी पखवाड़ा का आयोजन 14 सितंबर से 28 सितंबर 2020 तक ऑनलाइन (वर्चुअल) माध्यम से किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएँगी। सभी शिक्षकों से अनुरोध है कि हिंदी पखवाड़ा के सफलतापूर्वक आयोजन में सहयोग करें व हमें आशा है कि सभी छात्र हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर हिंदी के विकास और प्रचार -प्रसार में भूमिका निभाएंगे।

हिंदी पखवाड़ा (कार्यक्रम/ प्रतियोगिताएं)

माध्यमिक विभाग हेतु प्रतियोगिताएं:- (श्री पुरुषोत्तम साहू, श्री रोहित चौरसिया, श्रीमती दीपिका)

14.09.2020	हिंदी दिवस समारोह , हिंदी दिवस - प्रतिज्ञा
15.09.2020	आत्मपरिचय लेखन
16.09.2020	चित्र देखकर पर्यायवाची लिखना
17.09.2020	नारा लेखन प्रतियोगिता विषय-शिक्षा (केवल 2 नारा लिखकर भेजना है।
19.09.2020	कविता लेखन {मौलिक (स्वरचित)} (विषय - प्रकृति / हिंदी भाषा)
21.09.2020	चित्रकला प्रतियोगिता (हिंदी लेखक, कवि, साहित्यकार, का फोटो)
23.09.2020	कविता पाठ :- प्रतिभागी किसी छोटी कविता पर 1 मिनट का वीडियो बनाकर कक्षा अध्यापक को भेजेंगे।
25.09.2020	हिंदी व्याकरण संबंधित प्रश्नोत्तरी
26.09.2020	चित्र देखकर मुहावरे लिखना /पर्यायवाची लिखना
28.09.2020	समापन समारोह

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

हिंदी पखवाड़ा (प्राथमिक विभाग के लिए कार्यक्रम/ प्रतियोगिताएं)

प्राथमिक विभाग हेतु प्रस्तावित कुछ प्रतियोगिताएं:- (श्री समीर कुमार कलस,श्री विवेक कुमार)

14.09.2020	हिंदी दिवस एवं उद्घाटन समारोह , हिंदी दिवस - प्रतिज्ञा
15.09.2020	**आत्मपरिचय लेखन**
16.09.2020	**सुलेख लेखन** :- प्रतिभागी अपनी पाठ्य पुस्तक से 1 पेज का सुलेख लिखकर उसका फोटो /पीडीएफ (नाम व कक्षा सहित) बनाकर कक्षा अध्यापक को भेजेंगे।
17.09.2020	**नारा लेखन** प्रतियोगिता -विषय- **हिंदी** (केवल 1 नारा लिखकर भेजना है।)
19.09.2020	**चित्रकला** प्रतियोगिता (हिंदी लेखक, कवि, साहित्यकार का फोटो)
21.09.2020	**कविता पाठ** :- प्रतिभागी किसी छोटी कविता पर 1 मिनट का वीडियो बनाकर कक्षा अध्यापक को भेजेंगे ।
23.09.2020	चित्र देखकर पर्यायवाची लिखना
25.09.2020	**कहानी कथन** (प्रतिभागी किसी छोटी कहानी पर 1 मिनट का वीडियो बनाकर कक्षा अध्यापक को भेजेंगे ।)
26.09.2020	हिंदी व्याकरण संबंधित प्रश्नोत्तरी
28.09.2020	समापन समारोह

सहयोगी-समन्वयक

श्री विवेक कुमार

समन्वयक (प्राथमिक विभाग)

श्री समीर कुमार कलस

प्राचार्य

श्री अनंत नारायण मेहेर

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा

स्वरचित कविता

तिनका (श्री रोहित चौरसिया, टीजीटी हिंदी)

पहले भीगा हुआ तिनका

फिर सूखी हुई लकड़ी

धागे का मोम

फिर मोम का धागा

फिर माचिस की तीली

फिर रोगन पटाखे का

और फिर बारूद बम का

बनके बंधा और दबा

दबा फिर और दबा

दब दब के अब साक्षात बम हूं

फिर भी कम हूं

अब सोचता हूं

ज्यादा होने के लिए

इत्मिनान से सोने के लिए

रोज की कमाई से जिनका

पेट पलता है एक-एक दिन का

आशियां फिर से बनाऊं उनका

बनकर भीगा हुआ तिनका

अब मैं तिनका हूं तिनका तिनका

बीच में उनके घर बनना है जिनका जिनका.

मेरी प्यारी हिंदी (श्रीमती दीपिका, टीजीटी संस्कृत)

बीच सड़क पर कोई खड़ी थी
नाम बताया हिंदी |
बोली मैं अपनों की त्यागी
मुझसा नहीं कोई अभागी |

मेरी जननी ने ही मुझको
आज दिया दुत्कार |
अंग्रेजी को गोद ले लिया
करती उसका लाड |

मेरा हिंदुस्तानी ही,
मेरा मान घटाता |
कहां लगेगी मुझ पर बिंदी
नहीं समझ में आता |

हिंदी सुनने कहने वाले
समझे जाते हैं गँवार |
आज मेरे हिंदुस्तान पर
चढ़ा अंग्रेजी का बुखार |

मॉम कहा तो लाड किया
माँ कहा तो झाड़ दिया |
की नमस्ते डांट दिया
क्यों हिंदी में प्रणाम किया |
हिंदुस्तानी ही जब हिंदी
का मान घटाएगा
क्यों गैरों से उम्मीद हो करते
कोई इसको गले लगाएगा |

यह भारत हम भारतवासी
हिंदी सब को समझ में आती |
फिर क्यों ना जनता इसको अपनाती
इंग्लिश के पीछे भागी जाती|

हिन्दी का सम्मान (पुरुषोत्तम साहू,)

अगर कविता लिख पाया तो, हिन्दी का सम्मान लिखूंगा ..
युग तुलसी, सूर, कबीरा, मीरा और रसखान लिखूंगा।
यदि कविता .....

महाकवि केशव की भाषा, विद्यपति महान लिखूंगा
भूषण की ओजश वाणी, पन्त,प्रसाद महाप्राण लिखूंगा।
अगर कविता .....

प्रेमचंद सी मिट्टी वाला, मुक्तिबोध सा मतवाला, ...
जिसमें हो बच्चन की मधुशाला, या की हाला हाल प्याला
दिनकर की चैतन्य संजोए, शुभद्रा, महादेवी की शान लिखूंगा
अगर कविता .....

अज्ञेय की असाध्य वीणा, भारतेंदु, द्विवेदी का अभिमान लिखूंगा।
मोहन की बुनियादी बातें, गुरुदेव की गीतांजलि सी,
आजादी का अलख जगाया जिसने, उसका मैं सम्मान लिखूंगा।
यदि कविता ...

इन सब की वाणी को लेकर, फिर अपना हिन्दूस्तान लिखूंगा ॥
यदि कविता लिख पाया तो, हिन्दी का सम्मान लिखूंगा ....
किस किस का मैं नाम लिखूँ ...

हिन्दी के हर एक बेटे का मैं अभिमान लिखूंगा
हिन्दूस्तान का मैं अमिट सम्मान लिखूंगा

----0----

ये हमारी मातृभाषा है, पलकों पे उठा लो यारो ।
अब कोई ऐसा तरीका भी निकालो यारो ।।

वक़्त

आज फिर कुछ ऐसा ही हुआ।
आज फिर दिल का शहर सूना हुआ॥

साज़िशें साज़िशों में उलझने लगी।
आज फिर मंज़िल रास्ता खोने लगी॥

पुराने अफ़साने फिर टकरा गये ।
जैसे पलकों से ख़्वाब बाहर आ गये ॥

फिर उन्ही राहों में भटकने लगी।
फिर उन्ही वादों में अटकने लगी॥

वही अहसास लौटने लगा था।
खुद में मुझको भिगोने लगा था॥

उलझने लगी उन बेमाने रिश्तों में।
फिर ज़िंदगी बँटने चली किश्तों में॥

अचानक किसी खामोशी ने शोर किया।
अपने आज में लौटने को मजबूर किया॥

फिर उसी क़ायदे से चलने लगी ज़िंदगी।
आज फिर बोझिल सी लगने लगी ज़िंदगी।।

-विकास कुमार सुमन

गुरु

बेहतर को औ रबेहतर
बनाता है गुरु |
जमीं से फलक पर
बिठाता है गुरु |
बनाता है जग में हीरो
जबकि करता है जीरो से शुरू |

पैदा होते है मानव
मानवता सिखलाता है गुरु |
देकर आत्मज्ञान
सभ्य बनाता है गुरु |
वाणी तो प्रकृति की देन है
बोलने का ढंग सिखलाता है गुरु |
चक्षु दिखलाते है नजारे
राह दिखलाता है गुरु |

सिखाता है तनकर चलना
तोलकर झुकना भी सिखाता है गुरु |
देकर कलम तलवार सी
लड़ना भी सिखलाता है गुरु |

- श्रीमती दीपिका, टीजीटी संस्कृत

फूलों का रिश्ता

वे बैठी हैं,
कोमल- सी गोदी पे,
आकर्षित सौरभ फैलाए
परिष्कृत हैं वे खुद से।

हिमकर की आभा हैं वे,
हैं सूर्य का प्रकाश,
अनुकम्पा की छवि हैं वे,
हैं छविमान का विकास।

अनोखी हैं वे,
हैं आलम की शान
कठिन है, इनकी अहमियत को आँकना
बड़ी विचित्र है इनकी पहचान।

सुरंग हैं वे,
तितलियों को आकर्षित करती हैं वे,
दर्जा अपना खुद तय किये,
स्वच्छंद हैं वे।

वे सम्मान की हकदार हैं ,
है पहचान नफासत की,
कोई गुमान नहीं हैं वे,
हैं पहचान नज़ाकत की।

हैं सौंदर्य से भरपूर,
व्रज को पिघलाती,
मन नज़ाकत से भरपूर,
कोमल को सहलाती ।

खिल चुकीं हैं वे,
दूर हो चुकी हैं कोमल -सी गोदी से,
रंगीन तितलियों और,
सुनहरी किरणों से।

अलग है स्पर्श ,
इन नए कर का,
क्लेश भी है, और भाव
मन में है डर का।

चमकती हैं वे,
हो जैसे ओस की बूंदें,
नीले आसमां से ज़मीं में कूदें ।

खगपति पडुआ कक्षा – X

हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है।
- मौलाना हसरत मोहानी

इन तस्वीरों की अजीब सी मुस्कान

समय से बिलकुल विपरीत,
न बढ़ती है न घटती है
उम्र वहीं की वहीं रहती है,
उसकी मुस्कान कभी नहीं बदलती।
चलने फिरने की समझ नहीं,
न ही बोल पाती है,
प्रतिक्रिया तो दूर
बस यूँ ही स्थिर रहती है,
गर्मी की खबर नहीं ,
न सर्दी की खबर
बस अपनी ही दुनिया में खोई हुई,
घूरती हैं बराबर।
मुस्कान मे न नीलिमा हुई,
न चहरे में बदलाव दिखा ,
दुनिया कहाँ से कहाँ पहुँच गई,
परंतु इनकी मुस्कान कभी नहीं हुई फीकी
तारीख बदली समय बदला,
बदल गई है दुनिया की पहचान,
मगर अभी भी हस्बमामूल है,
इन तस्वीरों की अजीब सी मुस्कान।

डूब रहा है सूरज

नज़रों के सामने
सब कुछ निर्धारित था,
डूब रहा है सूरज
उसका समय यहीं तक था।
सब कुछ पर्यावरण की देन है,
उसकी भूल नहीं,
सब समय पर निर्भर करता है,
उसे जाना होगा कहीं।
छोड़ चला अपनी आभा,
न रहा वह छविमान,
छोड़ चला अपना अस्तित्व,
छोड़ चला अपना अभिमान,
हो गया है हस्बमामूल,
छा गई है मुख पर खामोशी,
मगर नहीं है यह कारण उसका ,
कल फिर होगी वापसी।

लोगों की अनंत अभिलाषा

सोच है यह
चाहत है
अभिलाषा है
मन में उन्हें
एक आशा है।
ठिगना नहीं
विशाल है यह,
ज्वालाओं से ऊँची
मशाल है यह,
छोटी नहीं
असीम है यह चाहतों से भरी
सीमाहीन है यह
विकल्प भरा है पर
दिखता नहीं
लालच से भरा है मानव
कुछ सीखता नहीं।

खगपति पड़ुआ कक्षा – X

एक दिन सूर्य के बिना

एक दिन सूर्य के बिना
मन हो गया दुख दूना,
पाट -पाट पर आभा के बिना
अंधेरे की न रही कोई सीमा।
छिप गई हैं जलजात
की मंजु पंखुड़ियाँ
रुक गई हैं पंछियों की
मनमोहक आवाजें
बस कीड़ों के शोर गुल
कानों में बजें।
आसमां से तारे
ओझल हो गये हैं,
कुछ भी देख पाना,
हो गया है मुश्किल,
दिन के अंधेरे में
कोई पंथ से
मिलन हो गया है
जटिल।
रात कभी हुआ करती थी
काली
मगर अभी तो
दिन का उजाला उड़ गया
उदधि भी अपने नीले रंग
को छोड़
काला पड़ गया।
इस अंधेरे से तो,
बेहतर था कुहासा,
मगर इस अंधेरे निस्तब्ध
भरे दिन में न रही
कोई आशा।
न रही प्रातः काल की
लालिमा,
न रही वह सुरीली - प्रभाती,
बस चारों ओर नज़र आती है
काली ऊँची बहाती।
जलाये गये है छोटे- छोटे
दीपक,
अग्नि भी जलाई गई है,
क्या सूर्य के प्रकाश वापस
आएंगे?
क्या अपनी आभा से उजाला
फैलाएंगे ?
मुझे मालूम नहीं।

क्षितिज तक की दौड़

हकीकत की दुनिया से दूर-
दूर,
नजरों के पास- पास,
दूर बैठे शान्त क्षितिज में,
कुछ तो है बात खास।
क्षितिज के ऊपर अनंत
आसमाँ
आसमाँ के ऊपर विशाल
तारे,
तारों तक पहुंचना संभव है,
पर क्षितिज तक की दौड़ में
सब हारे।

हर दशा में क्षितिज है मौजूद
पश्चिम, पूर्व, दक्षिण, उत्तर
मन में है काफी उलझनें
जाने कब मिलेंगे मेरे प्रश्नों
के उत्तर।

पहाड़ों के पीछे और सागरों
के पार
है नहीं खेल यह क्षितिज
तक की दौड़
उसे छूना संभव नहीं
आखिर यह रास्ता देगा
मोड़।

बहुत ने लगाई थी क्षितिज
तक की दौड़,
मगर सारी मेहनत संग हवा
के बह गई,
क्षितिज ने परास्त किया
सबको,
और दौड़ अधूरी ही रह गई।

खगपति पड़ुआ कक्षा – X

प्रकृति

माँ की तरह
हम पर प्यार लुटाती है प्रकृति
बिना मांगे हमें कितना कुछ देती जाती है प्रकृति
दिन में सूरज की रोशनी देती है प्रकृति
रात में शीतल चाँदनी लाती है प्रकृति
भूमिगत जल से हमारी प्यास बुझाती है प्रकृति
और बारिश में रिमझिम जल बरसाती है प्रकृति
दिन-रात प्राणदायिनी हवा चलाती है प्रकृति
मुफ्त में हमें ढेरों साधन उपलब्ध कराती है प्रकृति
कहीं रेगिस्तान तो कहीं बर्फ बिछा रखे हैं इसने
कहीं पर्वत खड़े किए तो कहीं नदी बहा रखे हैं इसने
कहीं गहरे खाई खोदे तो कहीं बंजर जमीन बना रखे हैं इसने
कहीं फूलों की वादियाँ बसाई तो कहीं
हरियाली की चादर बिछाई है इसने
मानव इसका उपयोग करे इससे, इसे कोई ऐतराज नहीं
लेकिन मानव इसकी सीमाओं को तोड़े यह इसको मंजूर नहीं
जब-जब मानव उदंडता करता है, तब-तब चेतवानी देती है यह
जब-जब इसकी चेतावनी नजरअंदाज की जाती है, तब-तब सजा देती है यह
विकास की दौड़ में प्रकृति को नजरंदाज करना बुद्धिमानी नहीं है
क्योंकि सवाल है हमारे भविष्य का, यह कोई खेल-कहानी नहीं है
मानव प्रकृति के अनुसार चले यही मानव के हित में है
प्रकृति का सम्मान करें सब, यही हमारे हित में है.

- ओम प्रकाश रथ , कक्षा -X

हिंदी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।
-डॉ. सम्पूर्णानंद

प्रकृति

लाली है, हरियाली है,

रूप बहारों वाली यह प्रकृति,

मुझको जग से प्यारी है।

हरे-भरे वन उपवन,

बहती झील, नदियाँ,

मन को करती है मनमोहित।

प्रकृति फल, फूल, जल, हवा,

सब कुछ न्योछावर करती,

ऐसे जैसे माँ हो हमारी।

हर पल रंग बदल कर मन बहलाती,

ठंडी पवन चला कर हमें सुलाती,

बेचैन होती है तो उग्र हो जाती।

कहीं सूखा ले आती, तो कहीं बाढ़,

कभी सुनामी, तो कभी भूकंप ले आती,

इस तरह अपनी नाराजगी जताती।

सहेज लो इस प्रकृति को कहीं गुम ना हो जाए,

हरी-भरी छटा, ठंडी हवा और अमृत सा जल,

कर लो अब थोड़ा सा मन प्रकृति को बचाने का।

- आशीष महापात्र, कक्षा –XII

आधुनिक प्रकृति पे विचार...

कर लिया तूने कई चीजों का आविष्कार,
करके प्रकृति का तिरस्कार।
करके अपना बुद्धि भ्रष्ट,
प्रकृति को किया तूने नष्ट।

बनाने हेतु विशाल उद्योग केंद्र,
दिया तूने जंगलों को काट।
प्रारंभ कर दिया तूने,
प्रकृति को नष्ट करने का नाट।

प्रकृति का अनुभव करने ,
बना लिया तूने चलचित्र।
छपवा दिए हजारों पत्रिकाएं,
दर्शाते प्रकृति का शब्दचित्र।

प्राप्त नहीं होगा तुझे प्रकृति का वह अनुभव,
क्योंकि कर दिया है तूने उसे असंभव।
असंभव को संभव करने हेतु प्राणी है मानव,
अब तो ईश्वर की प्रार्थना है तुझसे,
मत दे पृथ्वी को और तनाव।

पड़ा रहेगा कब तक तू इस आधुनिक दुनिया पर,
जिंदगी में जिएगा कब तक तू मशीनों पर होके निर्भर।

प्रकृति का वह प्राकृतिक अनुभव ,
यदि प्राप्त करने की है मनसा,
बदलना पड़ेगा बहुत कुछ,
और करना पड़ेगा कुछ ऐसा।

वृक्षारोपण को है बढ़ाना,
पृथ्वी को है हरियाली से भर देना।
प्रदूषण पर लगा दे रोक,
तब बन पाएगा पृथ्वी सुंदर लोक।

दिया है ईश्वर ने हमें प्रकृति का यह वरदान,
सीखना हमें है करना इसका सम्मान।
है नहीं यह पैसा जो कभी लौट के वापस आएगा,
यदि तूने इसे खो दिया तो तू बहुत पछताएगा।

- आशुतोष महारणा, कक्षा- XI

* हिंदी भाषा से जुड़े रोचक तथ्य *

- आइये आज आपको हिंदी से जुड़े कुछ ऐसे रोचक तथ्यों के बारे में बताते हैं जिन्हें जानकर आपको गर्व भी होगा और आपका हिंदी को लेकर ज्ञान भी बढ़ेगा।
- फारसी शब्द 'हिन्द' से ही हिन्दी शब्द की उत्पत्ति हुई है जिसका अर्थ है 'सिंधु नदी की भूमि'।
- 1918 में महात्मा गाँधी ने हिंदी साहित्य सम्मलेन में हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था ,हिंदी को गांधीजी ने जनमानस की भाषा कहा था ।
- 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में वोटिंग की गई थी जिसके आधार पर हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा का दर्जा मिला था और इसी कारण 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- विश्व हिन्दी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में हिन्दी का विकास करने और इसे प्रचारितप्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई और प्रथम विश्व हिन्दी - सम्मेलन10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित हुआ था इसीलिए इस दिन को 'विश्व हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- यूँ तो भारत के हर क्षेत्र की अपनी अलग अलग भाषाएँ हैं लेकिन फिर भी देश के करीब 77% लोग हिन्दी बोलते और समझते हैं और इस तरह हिंदी भारत में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।
- हिंदी में 11 स्वर और 33 व्यंजन शामिल हैं।
- आपको ये जानकर आश्चर्य होगा की हिन्दी भाषा के इतिहास पर पहले साहित्य की रचना करने वाला शख्स कोई हिन्दू नहीं बल्कि एक फ्रांसीसी लेखक था जिसका नाम है ग्रासिन द तैसी।
- सबसे पहले हिंदी में कविता लिखने वाले शख्स थे प्रख्यात कवि 'अमीर खुसरो'।
- हिंदी में सबसे पहली पुस्तक "प्रेम सागर" 1805 में प्रकशित हुई थी जिसे लल्लू लाल ने लिखी थी।
- हिंदी में सबसे ज्यादा उपयोग में लिया जाने वाला शब्द है "नमस्ते"।
- वेब एड्रेस बनाने में दुनिया भर की 7 भाषाओं का इस्तेमाल होता है और हिंदी उन्हीं में से एक है।
- यूँ तो प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी भी विदेश में हिंदी में सभा को सम्बोधित कर चुके हैं लेकिन भारत की ओर से सबसे पहले 1977 में उस समय के विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को सम्बोधित किया था।
- आज भी यूनाइटेड स्टेट्स अमेरिका की 45 यूनिवर्सिटी सहित पूरी दुनिया की करीब 176 यूनिवर्सिटीज में हिन्दी भाषा में पढ़ाई जारी है।
- इंटरनेट पर ज्यादातर इस्तेमाल अंग्रेजी भाषा का ही होता है लेकिन फिर भी हर 5 में से 1 व्यक्ति इंटरनेट को हिंदी में चलाना पसंद करता है।
- 1881 में हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार करने वाला सबसे पहला राज्य था बिहार।
- हालाँकि हिंदी भारत की भाषा है लेकिन ये भारत के अलावा मॉरीशस, फिजी , सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद, टोबैगो और नेपाल में भी बोली जाती है।
- हिंदी की सबसे रोचक बात ये है की हिंदी शब्दों को उसी तरह लिखा जाता है जैसे उन्हें बोला जाता है, इसीलिए ये भाषा सीखने में बाकी भाषाओँ की तुलना में ज्यादा आसान है।

- रजनीश रंजन ,पुस्तकालय अध्यक्ष

चित्रकला

नाम- बिनोद कुमार गुप्ता

पद- स्नातक कला शिक्षक

चित्र रचनाएं

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।

- सुमित्रानंदन पंत

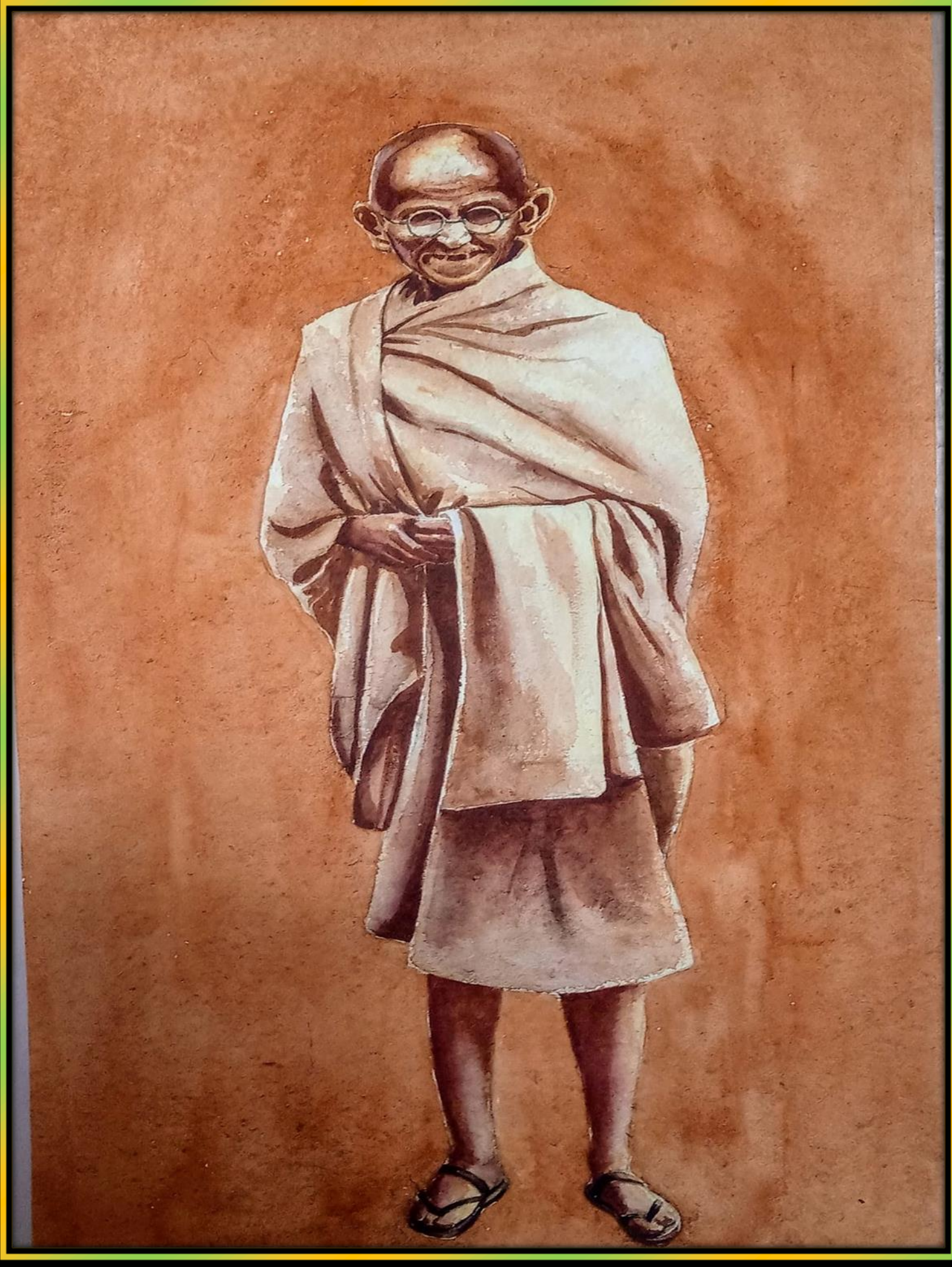

केन्द्रीय विद्यालय नौ सेना आयुध भंडार, सुनाबेडा

हिन्दी पखवाड़ा (चित्रकला परिणाम)

Class VI

Name	Position
K. laxmikant	1st
Anushaka Behera, Aditi	2nd
Chinamayee padhi	3rd

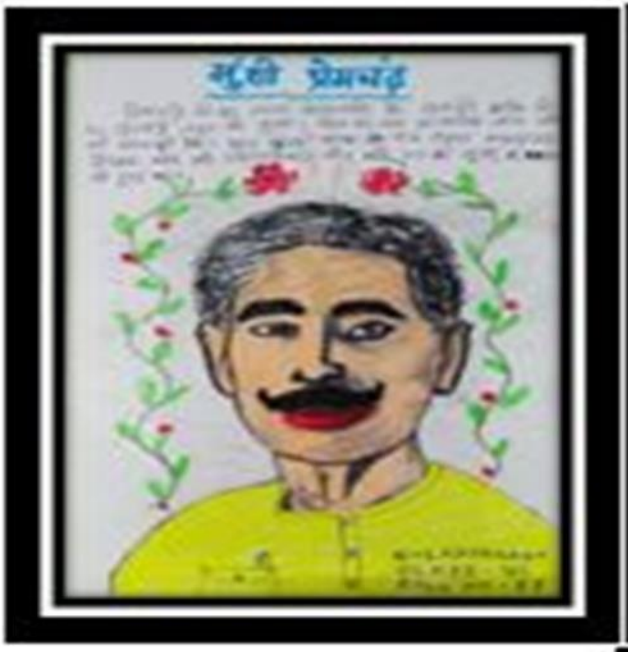

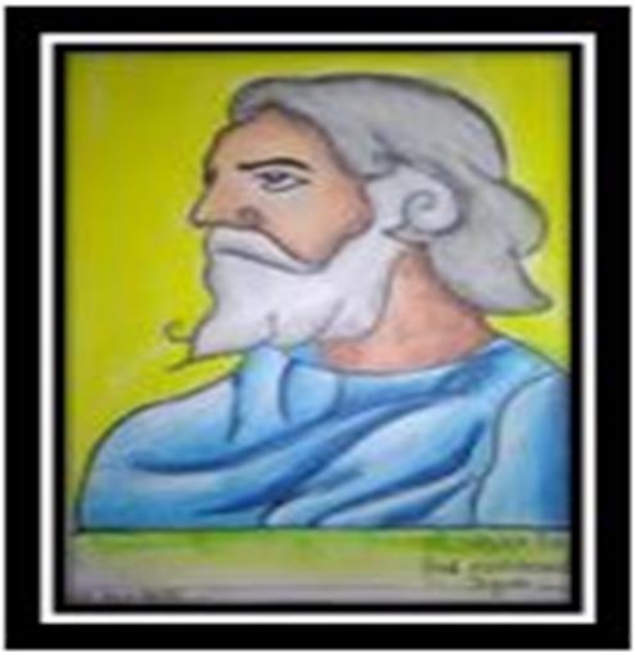

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनावेडा
हिन्दी पखवाड़ा (चित्रकला परिणाम)

Class- XI

Name	Position
Alka Pathi	1st
Abhayam, Dibyashmita	2nd
Ashutosh Maharana	3rd

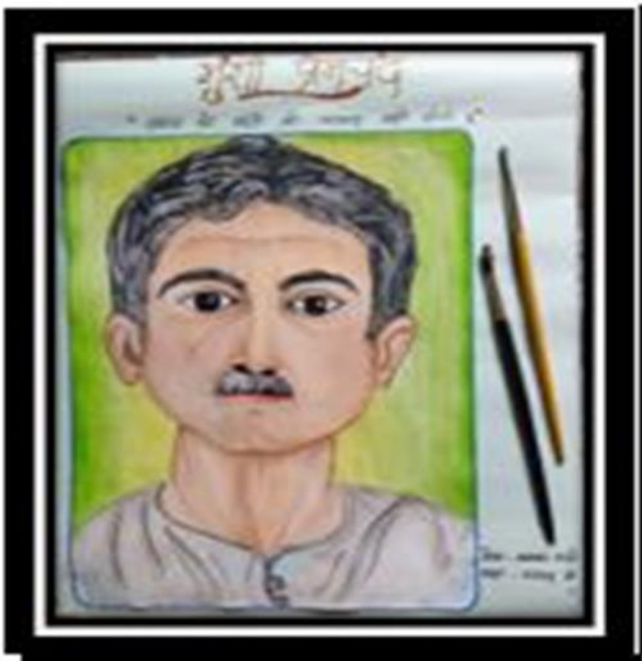

केन्द्रीय विद्यलय नौ सेना आयुध भंडार, सुनाबेडा
हिन्दी पखवाड़ा (चित्रकला परिणाम)

Class-X

Name	Position
Om Prkash	1st
Arup	2nd
Biswajit	3rd

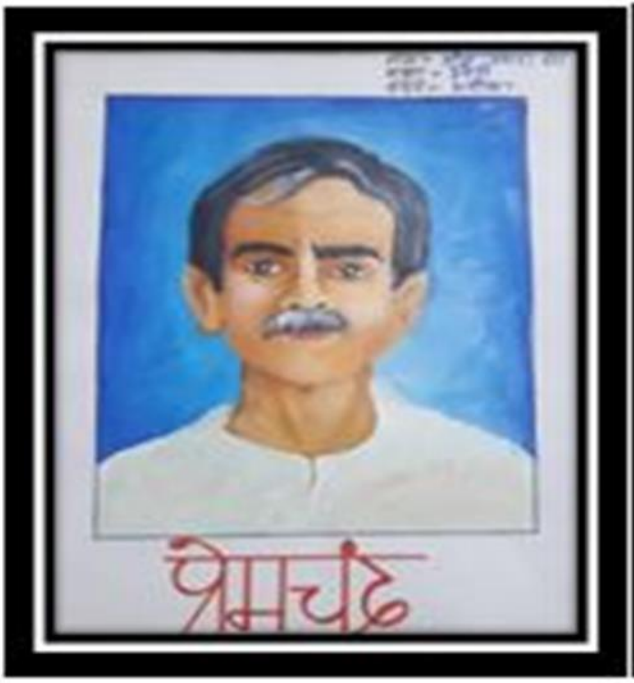

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेडा

हिन्दी पखवाड़ा (चित्रकला परिणाम)

Class- IX

Name	Position
Khushi Yadav	1st
R.T.P. Dhatri	2nd
Subhasmita Mohanty	3rd

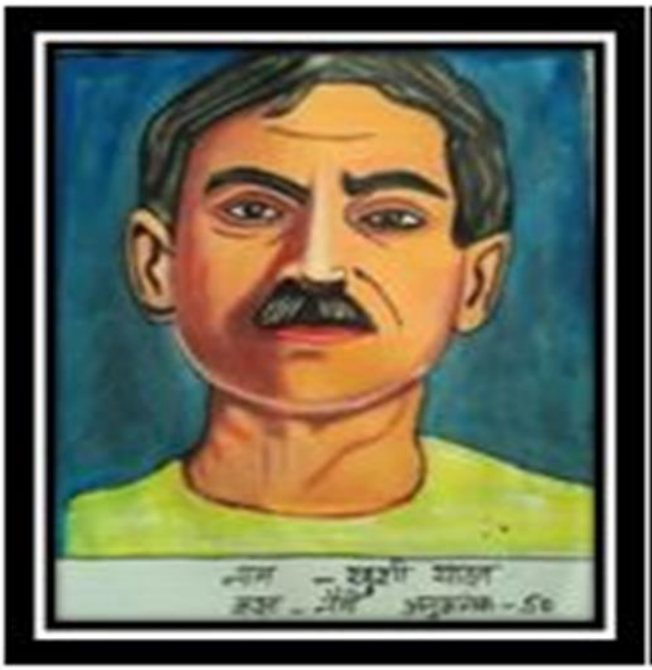

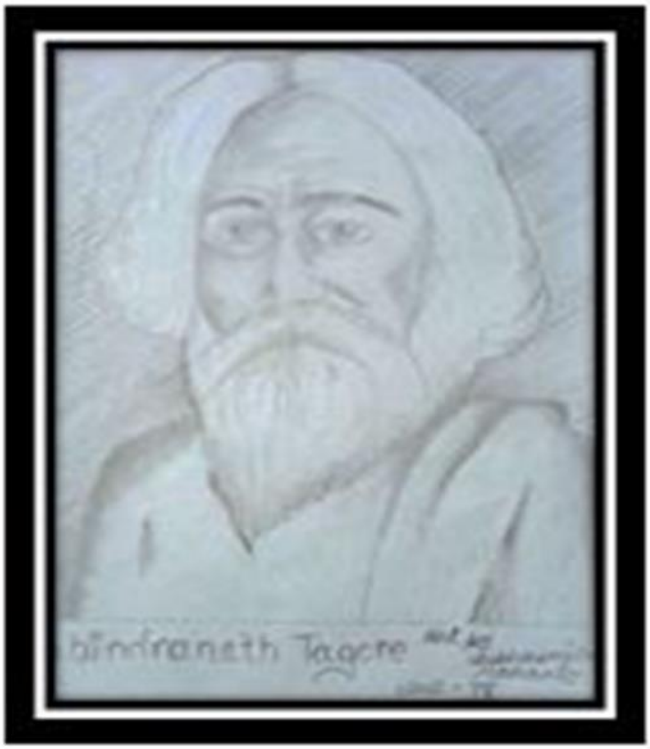

केन्द्रीय विद्यालय नौ सेना आयुध भंडार, सुनाबेडा
हिन्दी पखवाड़ा (चित्रकला परिणाम)

Class- VII

Name	Position
Deepjyoti	1st
Dibyans patra	2nd
Asmit	3rd

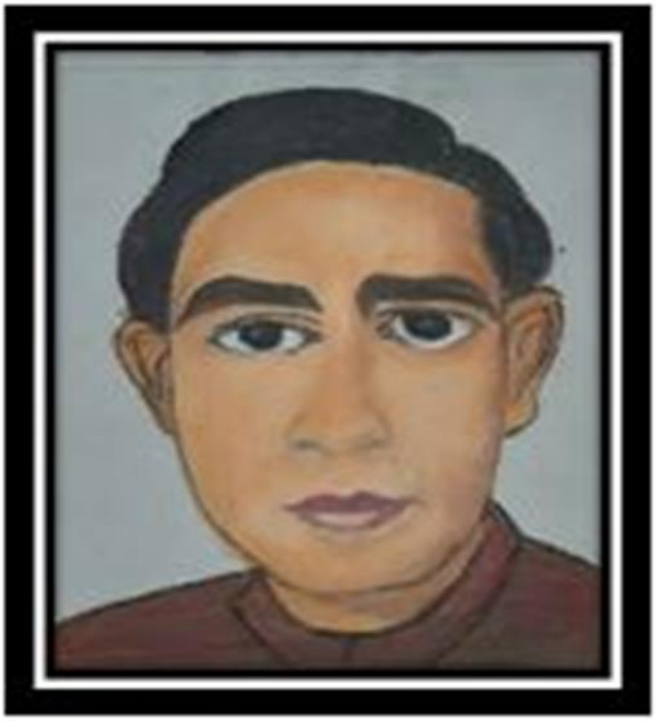

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेडा

हिन्दी पखवाड़ा (चित्रकला परिणाम)

Class-XII

Name	Position
Sranaya roy	Ist
Nil	IInd
Nil	IIIrd

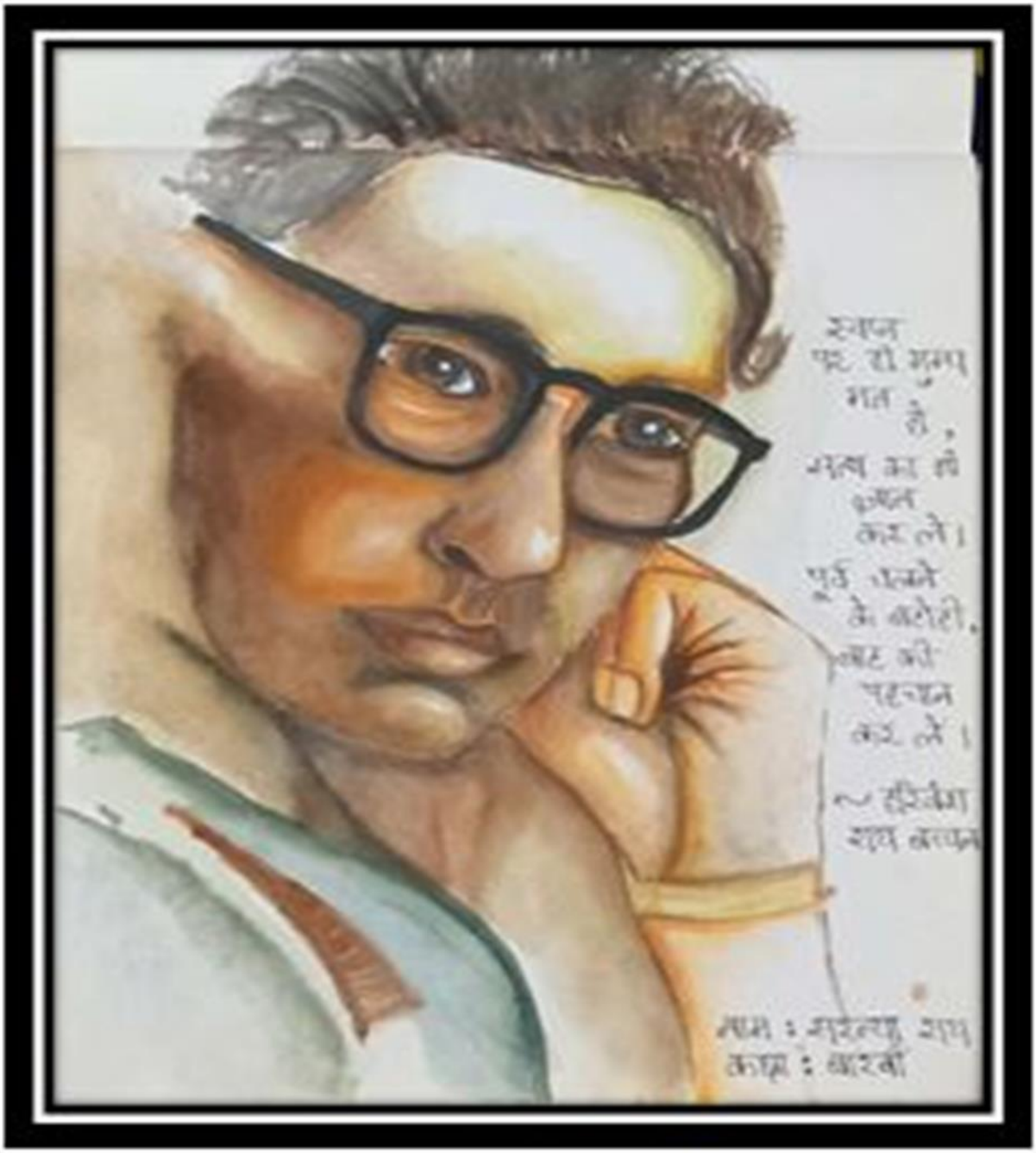

केन्द्रीय विद्यालय नौ सेना आयुध भंडार, सुनावेडा
हिन्दी पखवाड़ा (चित्रकला परिणाम)

Class VIII

Name	Position
Neha	1st

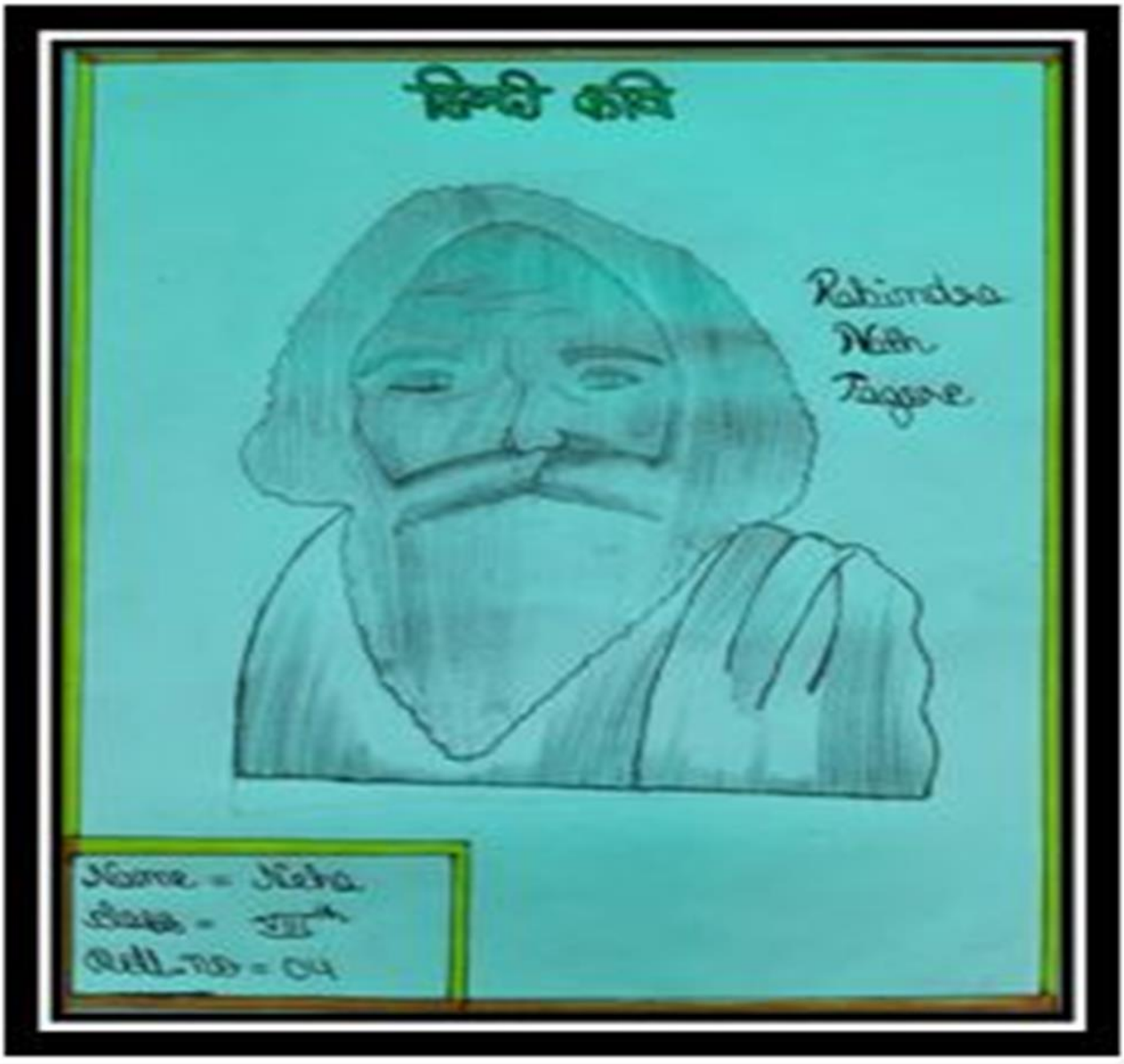

भारतीय भाषाएँ नदियाँ हैं और हिंदी महानदी ।

- रवीन्द्रनाथ ठाकुर

नारा लेखन

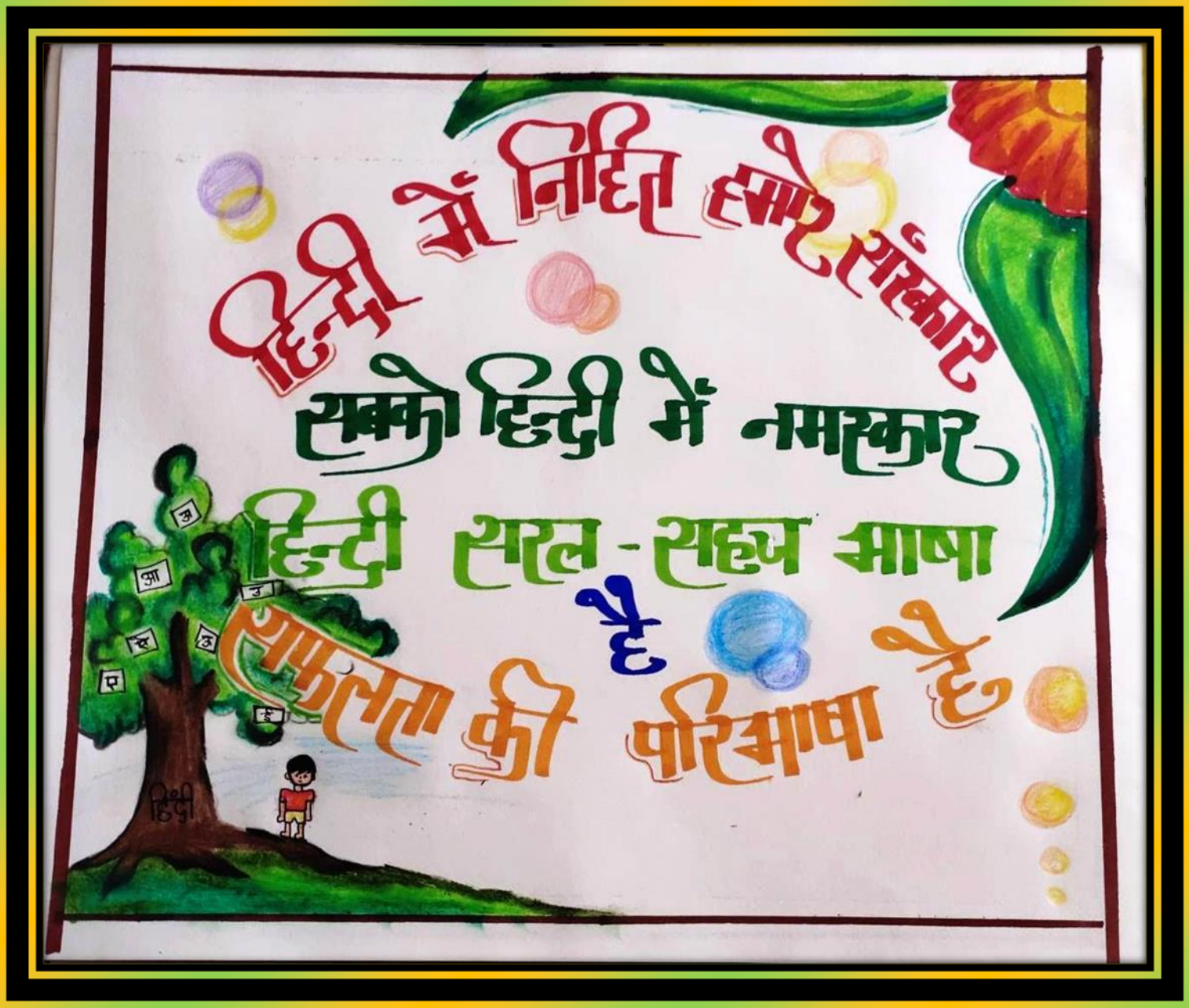
हिन्दी में निहित हमारे संस्कार
सबको हिन्दी में नमस्कार
हिन्दी सरल - सहज भाषा है
सफलता की परिभाषा है
हिन्दी

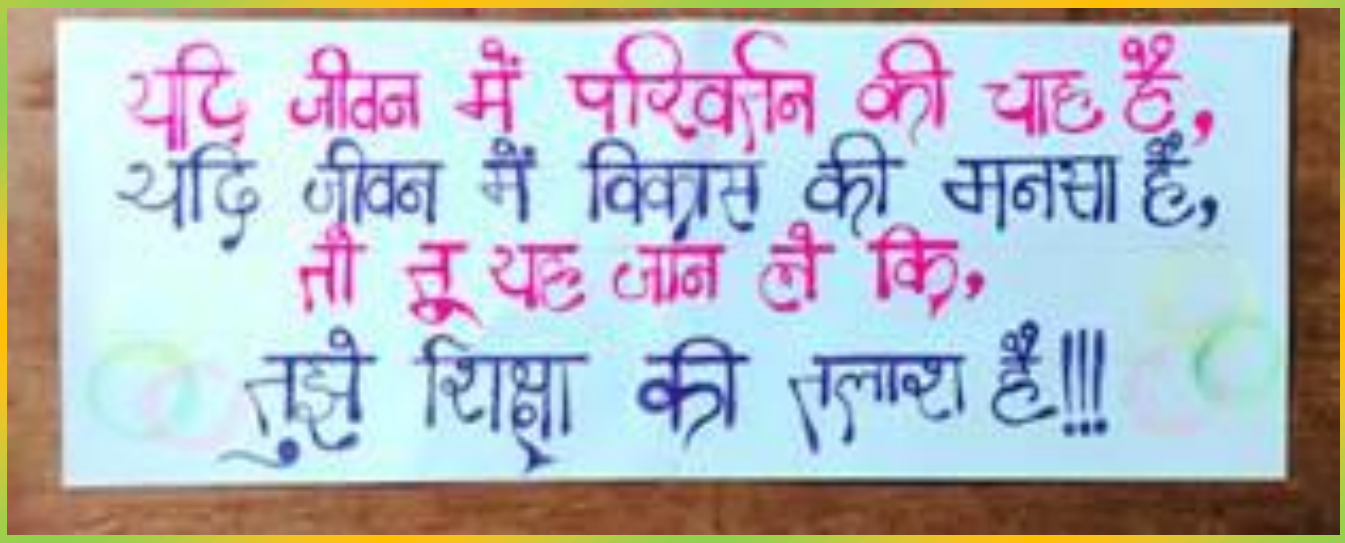
यदि जीवन में परिवर्तन की चाह है,
यदि जीवन में विकास की मनसा है,
तो तू यह जान ले कि,
तुझे शिक्षा की तलाश है!!!

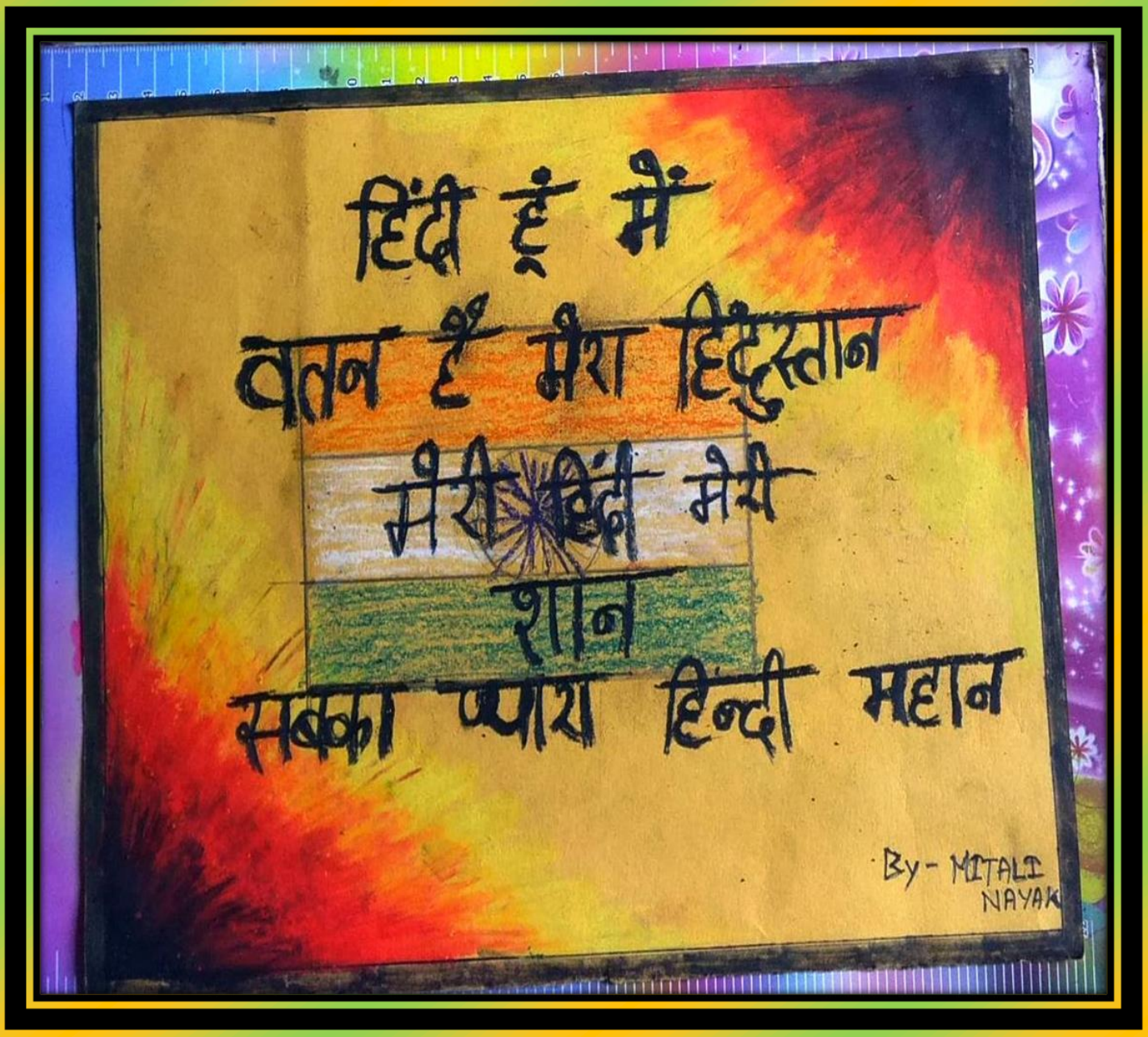

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है,

जिसे बिना भेदभाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।

- मदन मोहन मालवीय

हिंदी देश की भाषा है,
हर भारतवासी की अभिलाषा है।
खुशी यादव

"सोंधी सुगंध, मीठी सी भाषा
गर्व से कहो हिंदी है मेरी भाषा"।
"अशिक्षित को शिक्षा दो,
अज्ञानी को ज्ञान।
शिक्षा से ही बन सकता है,
भारत देश महान॥"
House = Ashoka

प्रतियोगिता परिणाम

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार सुनाबेड़ा
KENDRIYA VIDYALAYA NAD SUNABEDA

हिन्दी पखवाड़ा

विषय :- नारा लेखन प्रतियोगिता

RESULT :- Dt. 23.09.2020

CLASS	1ST	2ND	3RD
IX	सुभम पटनायक	खुशी यादव	पूनम कुमारी प्रसाद
X	ओमप्रकाश रथ	खगपति पडुआ	बिश्वजीत साहू
XI	बिदुस्मिता परीडा	सुमना बेहरा व बंशिता लेंका	अंकिता साहू व मिताली नायक
XII	आयुषी पति	ऋतिक मोहंती	सौरभ दास व तनु सिंह

समन्वयक सीसीए
पुरुषोत्तम साहू

निर्णायक:-
1.श्री पुरुषोत्तम साहू
2. श्री रोहित चौरसिया,
3. श्रीमती दीपिका

प्राचार्य
श्री ए.एन.मेहेर

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार सुनाबेड़ा
KENDRIYA VIDYALAYA NAD SUNABEDA

हिन्दी पखवाड़ा

विषय :- कविता लेखन प्रतियोगिता (19.09.2020)

RESULT :- Dt. 21.09.2020

CLASS	1ST	2ND	3RD
VI	अदिती प्रसाद	चिन्मयी पाढी	गुनगुन सुभदर्शिनी
VII	दीपज्योति मेहेर अंक्षिता पंडा	बरशा कुलदीप सुहाना खिल्लो	अनुष्का पात्रो आर्य अमृत
VIII	पायल प्रियदर्शिनी कुँअर	ए सौम्या	रूप राज नायक

समन्वयक सीसीए
पुरुषोत्तम साहू

निर्णायक:-
1.श्री पुरुषोत्तम साहू
2. श्री रोहित चौरसिया,
3. श्रीमती दीपिका

प्राचार्य
श्री ए.एन.मेहेर

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार सुनाबेड़ा

KENDRIYA VIDYALAYA NAD SUNABEDA

विषय :- कविता वाचन प्रतियोगिता

परिणाम :- दिनांक: 28.09.2020

CLASS	1ST	2ND	3RD
X	ओमप्रकाश रथ		
XI	बिदुस्मिता परीडा	आशुतोष महारणा सुमना बेहरा	इप्शिता बिस्वाल
XII	तनु सिंह	ऋतिक मोहंती	RIKITA मोहंती

पुरुषोत्तम

समन्वयक सीसीए
पुरुषोत्तम साहू

निर्णायक:-
1.श्री पुरुषोत्तम साहू
2. श्री रोहित चौरसिया,
3. श्रीमती दीपिका

अनंत नारायण मेहेर

प्राचार्य
श्री ए.एन.मेहेर

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार सुनाबेड़ा

KENDRIYA VIDYALAYA NAD SUNABEDA

विषय :- कविता वाचन प्रतियोगिता

RESULT :- Dt. 26.09.2020

CLASS	1ST	2ND	3RD
VI	पीयूष परीडा लोहित साईं	इशांत	अनुष्का बेहेरा जहान्वी मैत्री
VII	दीपज्योति मेहेर सुनैना बेहेरा	संजीवनी नायक	अनुष्का पात्रो
VIII	शुभम	nil	nil

समन्वयक सीसीए
पुरुषोत्तम साहू

निर्णायक:-
1.श्री पुरुषोत्तम साहू
2. श्री रोहित चौरसिया,
3. श्रीमती दीपिका

प्राचार्य
श्री ए.एन.मेहेर

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार सुनाबेड़ा

KENDRIYA VIDYALAYA NAD SUNABEDA

हिन्दी पखवाड़ा

विषय :- कविता लेखन प्रतियोगिता (19.09.2020)

परिणाम :-

दिनांक: 28.09.2020

CLASS	1ST	2ND	3RD
X	खगपति पडुआ	ओमप्रकाश रथ	
XI	आशुतोष महारणा	बंशिता लेंका	
XII	सरन्या राय	आशीष महापात्र	सौरभ दास

समन्वयक सीसीए
पुरुषोत्तम साहू

निर्णायक:-
1.श्री पुरुषोत्तम साहू
2. श्री रोहित चौरसिया,
3. श्रीमती दीपिका

प्राचार्य
श्री ए.एन.मेहेर

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार सुनाबेड़ा

KENDRIYA VIDYALAYA NAD SUNABEDA

हिन्दी पखवाड़ा

विषय :- नारा लेखन प्रतियोगिता (17.09.2020)

RESULT :-

Dt. 21.09.2020

CLASS	1ST	2ND	3RD
VI	चिन्मयी पाढी	साईं प्रियंका	जहान्वी मैत्री
VII	दीपज्योति मेहेर	सुहाना खिल्लो	बरसा कुलदीप
VIII	नेहा मीणा	शिवकुमार	आदित्य कुमार नाहक

समन्वयक सीसीए
पुरुषोत्तम साहू

निर्णायक:-
1.श्री पुरुषोत्तम साहू
2. श्री रोहित चौरसिया,
3. श्रीमती दीपिका

प्राचार्य
श्री ए.एन.मेहेर

केन्द्रीय विद्यालय नौसेना आयुध भंडार, सुनाबेड़ा